August 11 thu

Subject - C-6 Gender School & Society /2005

Topic - Functions of School

विद्यालय का कार्य

विद्यालय वह स्थान होता है, जहाँ शिक्षा दी जाती है, यह एक प्रकार की स्थायी संस्था होती है, जहाँ शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक और मानसिक गुणों का विकास किया जाता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये उन्हें उनके भविष्य के लिये तैयार करना विद्यालय का मुख्य कार्य होता है।

12 fri

ब्रुबेकर के अनुसार विद्यालय के कार्य :-

(i) संरक्षण कार्य
(ii) प्रगतिशील कार्य
(iii) निष्पक्ष कार्य अथवा अभेदात्मक व्यवहार की शिक्षा का कार्य

टॉमसन के अनुसार विद्यालय के कार्य :-

(i) मानसिक प्रशिक्षण का कार्य
(ii) चारित्रिक प्रशिक्षण का कार्य

13 sat 14 sun

(iii) सामुदायिक जीवन का प्रशिक्षण का कार्य
(iv) राष्ट्रीय गौरव तथा देश-प्रेम का प्रशिक्षण
(v) स्वास्थ्य तथा स्वच्छता का प्रशिक्षण।

सरलता के लिये हम विद्यालय के कार्यों को दो ~~भाग~~ भागों में विभाजित करते है :-

(A) विद्यालय के औपचारिक कार्य
(B) विद्यालय के अनौपचारिक कार्य

September 2005						
Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

Notes

औपचारिक कार्य :- विद्यालय के औपचारिक कार्यों का सम्बन्ध बालक के मानसिक विकास से है। इस सं

P.T.O.

August में विद्यालय के निम्नलिखित कार्य है : —
15 mon (i) मानसिक शक्तियों का विकास
(ii) गतिशील तथा सन्तुलित मस्तिष्क का निर्माण
(iii) व्यावसायिक तथा औद्योगिक शिक्षा
(iv) नागरिकता का विकास
(v) चरित्र का विकास
(vi) नेतृत्व क्षमता का विकास
(vii) मानवीय अनुभवों का पुनर्गठन तथा पुनर्रचना
(viii) संस्कृति की सुरक्षा, सुधार तथा हस्तान्तरण

2005

16 tue

विद्यालय के अनौपचारिक कार्य : — विद्यालय के अनौपचारिक कार्यों का संबंध बालक के शारीरिक, सामाजिक तथा संवेगात्मक विकास से है। इस सम्बन्ध में विद्यालय के निम्नलिखित कार्य है
(i) शारीरिक विकास
(ii) सामाजिक भावना का विकास
(iii) संवेगात्मक विकास
(iv) रचनात्मक विकास

17 wed

कुल मिलाकर, विद्यालय एक बच्चे के पूरे दौर के विकास के लिये जिम्मेदार है। जब बच्चे विद्यालय में प्रवेश लेते हैं, तो उनके प्रवेश के समय माता-पिता के अनगिनत सपने जुड़े होते हैं। विद्यालय में शिक्षकों से बच्चों को सभी विषयों का बेहतर ज्ञान मिलता है। उच्च शिक्षा तथा रोजगार विकल्पों के बारे में अवगत कराना विद्यालय का मुख्य कार्य है।

— X —

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23

Notes

Scanned with CamScanner

78

May 12 thu

2005

विद्यालय के महत्व तथा आवश्यकता
(Importance & Need of School)

विद्यालय समाज का लघु रूप है। यह प्रेम, सद्भावना तथा विश्वशांति का केन्द्र है। विद्यालय एक पवित्र मंदिर तथा मनमोहक वृन्दावन है। पहले विद्यालयी शिक्षा कुछ विशिष्ट व्यक्तियों तथा कुलीन वर्गों तक ही सीमित थी। परन्तु जनतांत्रिक दृष्टिकोण के कारण अनिवार्य और सार्वभौमिक शिक्षा होने से सभी वर्गों और लिंगों की शिक्षा अनिवार्य हो गयी है।

13 fri

विद्यालय में प्रदान किया जाना वाला ज्ञान ही व्यक्ति का जीवन की कठिन-से-कठिन परिस्थितियों में भी मार्गदर्शन करता है। इसी कारण अज्ञानी मनुष्य को पूँछ के बिना ही पशु कहा गया है।

टी.पी.नन ने विद्यालय के महत्व तथा आवश्यकता को किसी भी राष्ट्र और समाज के लिये महत्वपूर्ण मानते हुये अपने विचार इन शब्दों में व्यक्त किये हैं—

14 sat

15 sun

"एक राष्ट्र के विद्यालय उसके जीवन के अंग हैं, जिनका विशेष कार्य है- उसकी आध्यात्मिक शक्ति दृढ़ बनाना, उसकी ऐतिहासिक निरन्तरता को बनाये रखना, उसकी भूतकाल की सफलताओं को सुरक्षित रखना और उसके भविष्य की गारन्टी दे

("A Nation's school are an organ of its life, whose special function is to consolidate spiritual strength, to maintain its historic continuity, to secure its achievement and guarantee its future."

Notes

June 2005

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

Scanned with CamScanner

30 mon

विद्यालय की आवश्यकता तथा महत्व निम्न प्रकार है :—

(i) सोद्देश्यपूर्ण शिक्षण हेतु
(ii) विशिष्ट शिक्षा प्रदान करने हेतु
(iii) परिवार और विश्व को जोड़नेवाली कड़ी
(iv) वास्तविक जीवन की परिस्थितियों की तैयारी हेतु

31 tue

(v) अर्थोपार्जन हेतु
(vi) आदर्श नागरिकता के निर्माण हेतु
(vi) व्यक्तित्व तथा सर्वांगीण विकास हेतु
(vii) समाज की निरन्तरता और विकास हेतु
(viii) सहयोग, प्रेम, सहानुभूति और भ्रातृत्व के विकास हे[तु]
(ix) देश की उन्नति तथा प्रगति हेतु
(x) व्यापक दृष्टिकोण के विकास हेतु

1 wed

(xi) जाति-पाँति, ऊँच-नीच तथा अमीर-गरीब के मध्य विद्यमान खाई को पाटने हेतु
(xii) लिंगीय भेदभावों की समाप्ति करने, आपस[में] अन्तः क्रिया तथा सहयोग स्थापित करने हे[तु]

— x —

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

May 2005

Notes

Scanned with CamScanner